भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5184 का उत्तर

शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन के अंतर्गत अतिरिक्त एफओबी

5184. श्री अरुण कुमार सागर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर रेलवे के अंतर्गत शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर तेल टैंक से ढाका ताल रेलवे कालोनी तक रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार की ओर सड़क को चौड़ा करने और पुनर्निर्माण करने और प्लेटफार्म संख्या 2 और 3 के तल का पुनर्निर्माण करने तथा उसे ऊंचा करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए अतिरिक्त उपरिपुल का निर्माण करने और कोच मार्गदर्शन प्रणाली की सुविधा प्रदान करने के लिए कोई कदम उठाए हैं अथवा उठाने का विचार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस संबंध में जन-प्रतिनिधियों से भी कोई अनुरोध प्राप्त हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित शाहजहाँपुर स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। शाहजहाँपुर स्टेशन पर विकास कार्यों के

लिए निविदाएं दी जा चुकी हैं और मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का निर्माण, प्लेटफार्म सं. 2 और 3 की ऊँचाई बढ़ाना, नए पैदल पार पुल का निर्माण, कर्मचारी क्वार्टरों का स्थानांतरण, आदि कार्य शुरू किए गए हैं। इस स्टेशन पर विकास कार्यों के दायरे में कोच निर्देशन प्रणाली का प्रावधान शामिल किया गया है।

शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार की ओर जाने वाली ऑयल टैंक से ढक ताल रेलवे कॉलोनी तक सड़क उपलब्ध है। इस सड़क का अनुरक्षण और मरम्मत आवश्यकतानुसार नियमित आधार पर की जाती है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संदर्भ में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से शाहजहाँपुर स्टेशन सहित 157 रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में इस योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर, आंवला, अयोध्या धाम, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बलिया, बालामऊ, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली जं., बरेली

		सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, खोरसनरोड, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मगहर, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जं., निहालगढ़, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं.,

		सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जाफराबाद

उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित रेलवे स्टेशनों के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। इनमें से कुछ स्टेशनों पर प्रगति निम्नानुसार है:

- अयोध्या धाम स्टेशन पर स्टेशन भवन, रूफ प्लाजा, कर्मचारी क्वार्टर, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, विद्युत उप-स्टेशन, भूमिगत पानी की टंकी, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग, प्रवेश द्वारों का निर्माण, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार आदि का कार्य पूरा हो चुका है और कमीशन किया जा चुका है।
- लखनऊ चारबाग स्टेशन पर, दूसरे प्रवेश वाले स्टेशन भवन (जी+6) का संरचनात्मक कार्य 5वीं मंजिल तक पूरा हो चुका है तथा इसके अलावा, संरचनात्मक कार्य, चिनाई कार्य और फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं। यात्रा टिकट परीक्षकों (टीटीई) के लिए विश्राम गृह और स्टोर डिपो का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा एयर कॉनकोर्स का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- प्रयागराज स्टेशन पर ऊपरी पैदल पार पुल संख्या 2, पार्सल भवन, आगमन भवन और बेसमेंट प्लाजा (सिविल लाइन की तरफ) के विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है और दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का निर्माण, विद्युत उप-स्टेशन, प्लेटफॉर्म संख्या 7 और 8 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान आदि का कार्य शुरू किया गया है।
- गाजियाबाद स्टेशन पर दोनों तरफ स्टेशन भवन का निर्माण, ऊपरी पैदल पार पुल, एयर कॉनकोर्स, थ्रू रूफ, स्थानांतरित किए जाने वाले कर्मचारी क्वार्टरों का संरचनात्मक कार्य, विद्युत उप-स्टेशन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल भवन आदि का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

- सहारनपुर जंक्शन स्टेशन पर स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, शौचालय, परिसंचरण क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग, फुटपाथ, लैंडस्केपिंग, प्रवेश द्वार, प्रवेश/निकास द्वार, संकेतक, प्रवेश रैंप का प्रावधान आदि के सुधार कार्य पूरे हो चुके हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिसंचरण क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्कल वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोद्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडॉल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन कार्य सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच जोनों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्तीय

वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 4,188 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है।

रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर रेलवे को जन प्रतिनिधियों से यात्री सुविधाओं के संबंध में सुझाव/अनुरोध प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे सुझाव/अनुरोध प्राप्त होना और उन पर कार्रवाई करना सतत और निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अभ्यावेदनों का केंद्रीकृत संग्रह नहीं रखा जाता है।

******